5L7HA5

पाठ–16

पत्र

– लेखक मंडल

पत्र द्वारा संदेश भेजने की प्रणाली काफी पुरानी है। यूँ आजकल दूरभाष की सुविधा हो जाने के कारण पारिवारिक पत्र–व्यवहारों में काफी कमी आ गई है, परन्तु दूरभाष पर हम उतनी जानकारी नहीं दे सकते, जितनी पत्र के द्वारा दी जा सकती है। बच्चे और युवा इसीलिए देश के कोने–कोने से तथा विदेशों से भी पत्र–मित्र के माध्यम से अपने मित्र बनाते हैं और अपने–अपने स्थान की जानकारी देते हैं। प्रस्तुत पत्र में एक बालिका ने अपनी सहेली को दिल्ली में मेट्रो रेल की वजह से आए बदलाव की जानकारी दी है।
इस पाठ में हम सीखेंगे– एकवचन से बहुवचन बनाना, क्रिया का काल, पत्र–लेखन।

132, सी–1 शाहदरा
दिल्ली
20 नवम्बर 2010

प्रिय मीना,

नमस्ते।

बड़े दिन की छुट्टियाँ होने वाली हैं। तुम कुछ दिनों के लिए दिल्ली अवश्य आना। तुम्हें याद होगा कि पिछले वर्ष हमने कितनी मौज–मस्ती से छुट्टियाँ बिताईं थीं। अप्पूघर, चिड़ियाघर, गुड़ियाघर की सैर करने में कितना मजा आया था। हम लाल किला और कुतुबमीनार भी देखने गए थे। याद है, नंदा तो कुतुबमीनार की ऊँचाई देखते–देखते पीछे को ही लुढ़क गई थी। इस साल भी नंदा अपने भाई के साथ आ रही है।

इस बार एक नया आकर्षण तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा है। मेट्रो रेल के बारे में तुमने सुना या पढ़ा ही होगा। अभी तक मेट्रो रेल केवल कोलकाता में ही प्रचलित थी; पर दिल्ली में भी कई क्षेत्रों में चलाई जा रही है। सचमुच मेट्रो रेल में यात्रा करने का आनंद ही कुछ और है। अब मेट्रो रेल का जाल पूरी दिल्ली में बिछाया जा रहा है। इसकी पटरियाँ सड़क से ऊपर खंभों पर (ओवर ब्रिज) बिछाई गई हैं। कहीं–कहीं ये भूमि के नीचे भी हैं। कोलकाता की तरह दिल्ली की मेट्रो रेल पूर्णरूप से भूमिगत नहीं है। साफ–सुथरी दौड़ती तेज गाड़ी में शाहदरा से सफर करते हुए कब कश्मीरी गेट आ जाता है, पता ही नहीं चलता। बसों की धक्का–मुक्की और लंबी कतारों से राहत मिल गई है।

शिक्षण–संकेत– पत्र लिखने की आवश्यकता पर कक्षा में चर्चा करें। पत्र का महत्व बताएँ। पत्र के विविध रूप भी बताएँ। आवागमन के नए–नए साधनों की जानकारी देते हुए शहरों में उमड़ रही भीड़ के कारण होने वाली कठिनाइयों पर भी चर्चा करें। पाठ का वाचन करें। कक्षा को कई समूहों में बाँटकर पाठ के अंश पढ़ने को दें और उनका सार बताने को कहें। कुछ अन्य विषयों पर भी पत्र–लेखन कराएँ।

मेट्रो रेल के डिब्बे दक्षिण कोरिया से बनकर आए हैं। इसके दरवाजे स्वचालित हैं जो गाड़ी के रुकते ही या चलते ही अपने आप खुल या बंद हो जाते हैं। जगह–जगह मेट्रो रेलवे स्टेशन बनाए गए हैं जो बहुत सुंदर और सुविधापूर्ण हैं। काउंटर से टिकट या टोकन लेकर ही प्लेटफार्म पर प्रवेश किया जा सकता है और टोकन को एक मशीन में वापस डालकर ही बाहर आया जा सकता है। गाड़ी में प्रत्येक स्टेशन आने से पूर्व उसके नाम की घोषणा की जाती है जिससे यात्रियों को अपने निश्चित स्टेशन के आने का पता चल जाता है। गाड़ी के इलेक्ट्रानिक सूचना बोर्ड पर स्टेशन आने के पूर्व उसका नाम अंकित हो जाता है।

तुम तो जानती ही हो कि देश की राजधानी और महानगर होने के कारण दिल्ली की आबादी कितनी तेजी से बढ़ी है। यहाँ की अधिकांश जनता को कामकाज के लिए प्रतिदिन एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना–आना पड़ता है। इसी कारण दिल्ली की सड़कों पर बसों और वाहनों की संख्या भी बहुत अधिक हो गई है जिससे प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। इन समस्याओं को हल करने में मेट्रो रेल काफी मददगार होगी। मेट्रो रेल का कार्य बड़ी तेजी से प्रगति पर है और अगले कुछ वर्षों में इसके पूरे हो जाने की संभावना है। कल्पना करो तब दिल्ली कितनी आकर्षक और सुखद हो जाएगी।

अभी तुम दिल्ली आओगी तो यहाँ का बदला रूप देखकर आश्चर्य करोगी। मैं तुम्हारी प्रतीक्षा करूँगी। चाचा जी और चाची जी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारी सखी
कांता

शब्दार्थ

आकर्षण	–	खिंचाव	सैर	–	घूमना
अधिकांश	–	अधिकतर	स्वचालित	–	अपने आप चलनेवाली
प्रदूषण	–	....	मददगार	–	सहायता देनेवाला
संभावना	–	....	प्रतीक्षा	–	....

ऊपर कुछ शब्दों के अर्थ नहीं लिखे गए हैं। उन शब्दों के अर्थ नीचे कोष्ठक में लिखे गए हैं। उन्हें चुनकर शब्दों के सामने लिखो।

(दूषित होना, इंतजार, मुमकिन होना)

प्रश्न और अभ्यास

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

1. कांता ने किसे पत्र लिखा है?
2. पत्र में पत्र भेजनेवाला अपना पता कहाँ लिखता है?
3. मेट्रो रेलवे स्टेशन की क्या विशेषताएँ हैं?
4. मेट्रो रेल के डिब्बे किस देश से बनकर आए हैं?
5. मेट्रो रेल के चलने से किस समस्या से छुटकारा मिल गया है?
6. दिल्ली की आबादी क्यों बढ़ती जा रही है?
7. दिल्ली की सड़कों पर वाहनों की संख्या क्यों बढ़ती जा रही है?
8. मेट्रो रेल के यात्रियों को स्टेशन आने का पता कैसे चलता है?

प्रश्न 2. नीचे लिखी पंक्तियों के खाली स्थानों में पाठ के आधार पर उचित शब्द चुनकर भरो :–

1. तुम कुछ दिनों के लिए .... अवश्य आना। (दिल्ली/मुम्बई)
2. कुतुबमीनार की .... देखते हुए नंदा पीछे लुढ़क गई थी। (लम्बाई/ऊँचाई)
3. .... से टिकट या टोकन लेना चाहिए। (प्लेटफार्म/काउंटर)
4. मेट्रो रेल का कार्य .... गति से चल रहा है। (धीमी/तेज)
5. दिल्ली की आबादी तेजी से .... है। (घटी/बढ़ी)

प्रश्न 3. सोचो और लिखो–

1. हम किसी को पत्र क्यों लिखते हैं ?
2. बड़ों को पत्र लिखते समय संबोधन में क्या लिखा जाता है?
3. अपने से छोटों को पत्र लिखते समय संबोधन में क्या लिखते हैं?
4. पत्र में पता लिखते समय पिन कोड क्यों लिखना चाहिए?

प्रश्न 4. इस टिकट को देखो और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखो–

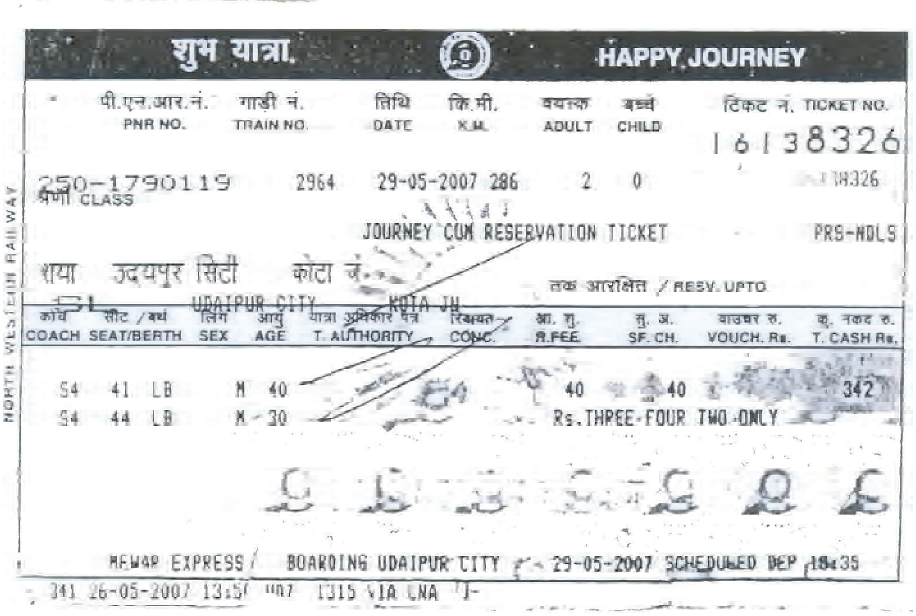

1. इस टिकट पर कितने लोगों ने यात्रा की?
2. यह टिकट कहाँ–से–कहाँ तक की है?
3. इन दोनों स्थानों के बीच की दूरी कितनी है?
4. किराये के लिए कितने पैसे चुकाए गए?
5. टिकट धारकों की आयु क्या है?

गतिविधि

- कक्षा के दोनों समूह शब्दार्थ संबंधी गतिविधि करें। एक समूह शब्द बोले, दूसरा उसका अर्थ बताए, फिर यही गतिविधि उलटकर करें।

भाषातत्व और व्याकरण

पढ़ो और समझो–

	अ	ब	स	द
1.	छुट्टी	शाला	बगीचा	पुस्तक
2.	बकरी	बाला	शरीफा	नहर
3.	गठरी	माला	फीता	पेंसिल
4.	पटरी	घोषणा	बाजा	कमीज
5.	लकड़ी	योजना	ताला	चादर

ऊपर चार वर्गों में चार प्रकार के शब्द दिए गए हैं। अ वर्ग के नीचे 'ई' से अंत होने वाले पाँच स्त्रीलिंग शब्द हैं, ये सभी एकवचन में हैं। इनको बहुवचन बनाते समय 'ई' को 'इयाँ' और 'इयों' में बदल देते हैं, जैसे 'छुट्टियाँ', 'छुट्टियों'। ब के नीचे लिखे शब्द 'आ' से अंत होने वाले स्त्रीलिंग शब्द हैं। इनके बहुवचन 'एँ' और 'ओं' लगाकर बनाए जाते हैं, जैसे शालाएँ, शालाओं।

प्रश्न 1. ऊपर दी गई तालिका में 'स' और 'द' के नीचे लिखे शब्द किस लिंग के हैं? उन्हें बहुवचन में बदलो।

समझो

- 'मस्त' में 'ई' की मात्रा जोड़कर 'मस्ती' शब्द बना है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों में 'ई' की मात्रा जोड़कर नए शब्द बनाओ और उनका वाक्यों में प्रयोग करो–

वापस, कम, तेज, देर, गलत।

इन वाक्यों को पढ़ो और समझो–

क. मीना दिल्ली गई थी।

ख. कांता दिल्ली में रहती है।

ग. दिल्ली में मेट्रो का विस्तार होगा।

पहले वाक्य से यह पता लगता है कि काम पूर्व में हो चुका है। दूसरे वाक्य से यह प्रकट होता है कि काम अभी हो रहा है। तीसरे वाक्य से यह प्रकट होता है कि कार्य आगे होगा। काम की दृष्टि से पहला वाक्य भूतकाल का है, दूसरा वाक्य वर्तमान काल का और तीसरा वाक्य भविष्यत् काल का है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित वाक्यों के काल लिखो और इन्हें निर्देशानुसार काल में बदलो–

क. हमने छुट्टियाँ बिताई थीं। (भविष्यत् काल)

ख. वह अपने भाई के साथ आएगी। (वर्तमान काल)

समझो

- हलंत वर्णों (क्, त्, स् आदि सभी) पर मात्रा नहीं लगाई जाती। 'बुद्धि' को अगर हम तोड़कर लिखें तो इस तरह लिखेंगे– ब + ु + द् + ि + ध। 'निश्चित' को इस तरह लिखेंगे– ि + न + श् + ि + च + त। 'निश्‍िचत' लिखना गलत है।

प्रश्न 4. 'मुट्ठी', 'शुद्धि', 'क्रुद्ध', 'प्रसिद्धि', 'वृद्धि' शब्दों को तोड़कर लिखो।

- 'र' का प्रयोग चार रूपों में होता है। देखो और समझो–

  अ. र – राम, राजा, राज्य, राकेश।

  ब. ˚ – धर्म, कर्म, शर्म, गर्त।

  स. ्र – ग्राम, ग्रह, चक्र, क्रम।

  द. ‸ – राष्ट्र, ड्रम, ट्रक, ड्रिल।

  'र' से बनने वाले शब्दों के उच्चारण में कोई कठिनाई नहीं होती। 'राम', 'राजा' आदि का उच्चारण सरल है। 'धर्म' का उच्चारण करो। 'ध' के बाद 'र' का उच्चारण होता है और 'म' का उच्चारण बाद में पूरा होता है। क्रम में 'क' का उच्चारण पहले होता है और 'र' का बाद में। इसमें 'क' आधा है और 'र्' पूरा। ट वर्ग (ट, ठ, ड, ढ) के साथ 'र' का प्रयोग ‸ रूप में होता है।

प्रश्न 5. ब, स और द वाले 'र' के प्रकारों के पाँच–पाँच शब्द लिखो।

रचना

- शाला–वार्षिकोत्सव की तैयारी के संबंध में अपने मित्र/सहेली को एक पत्र लिखो।
- आपके मोहल्ले में अत्यधिक गंदगी फैली है तो आप किसको पत्र लिखोगे? कैसे?

योग्यता–विस्तार

- महात्मा गांधी, पं. जवाहर लाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस आदि महापुरुषों ने अपने पुत्र–पुत्रियों और मित्रों को कारागार से पत्र लिखे हैं। अपने शिक्षक की मदद से उन्हें खोजकर पढ़ो।
- अंतर्देशीय डाक टिकट, लिफाफा और पोस्टकार्ड संकलित करो और उनपर चर्चा करो। कक्षा में उनका प्रदर्शन करो और उन पर चर्चा करो।
- संदेश भेजने के और कौन–कौन से साधन है?

5LGSBS